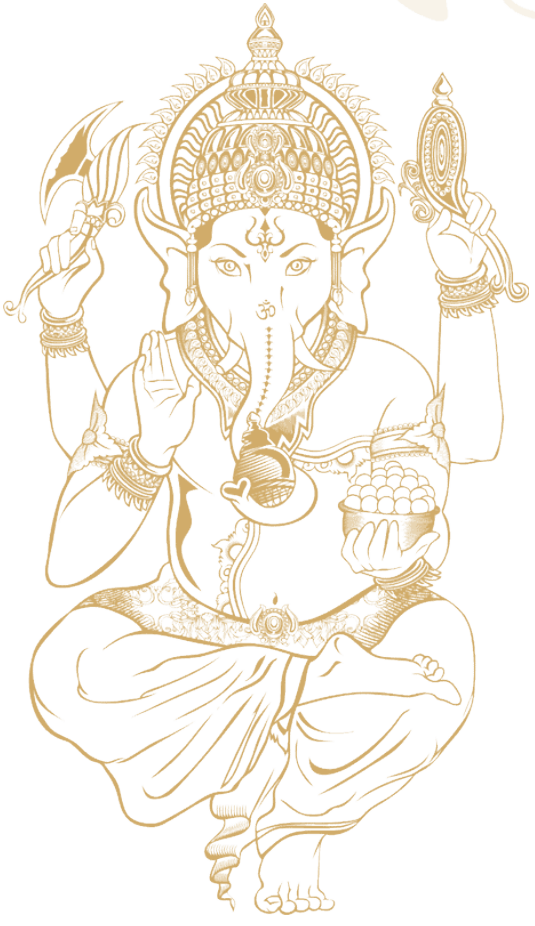

Vandana maurya

28 Dec 1992

11:30 AM

Ballia

Model: web-freekundliweb

Order No: 121714505

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**28/12/1992**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**11:30:00 घंटे**
इष्ट	12:07:38 घटी
स्थान	**Ballia**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:45:00 उत्तर
रेखांश	84:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:36:36 घंटे
वेलान्तर	-00:01:37 घंटे
साम्पातिक काल	18:04:26 घंटे
सूर्योदय	06:38:56 घंटे
सूर्यास्त	17:11:17 घंटे
दिनमान	10:32:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	13:00:00 धनु
लग्न के अंश	07:46:03 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वज्र
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गुंजन
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	07:46:03	497:21:49	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
सूर्य			धनु	13:00:00	01:01:10	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	00:32:26	11:56:39	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल	व		मिथु	28:04:23	00:22:00	पुनर्वसु	3	7	बुध	गुरु	शुक्र	शत्रु राशि
बुध			वृश्चि	28:09:11	01:29:15	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु			कन्या	19:23:10	00:05:39	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			मक	28:42:54	01:07:37	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	मित्र राशि
शनि			मक	22:11:52	00:06:08	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	स्वराशि
राहु	व		वृश्चि	27:39:16	00:02:41	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	गुरु	शत्रु राशि
केतु	व		वृष	27:39:16	00:02:41	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	गुरु	सम राशि
हर्ष			धनु	23:41:03	00:03:31	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
नेप			धनु	24:27:05	00:02:14	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	---
प्लूटो			वृश्चि	00:43:30	00:01:55	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	मंगल	---
दशम भाव			धनु	07:15:20	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:50

लग्न-चलित

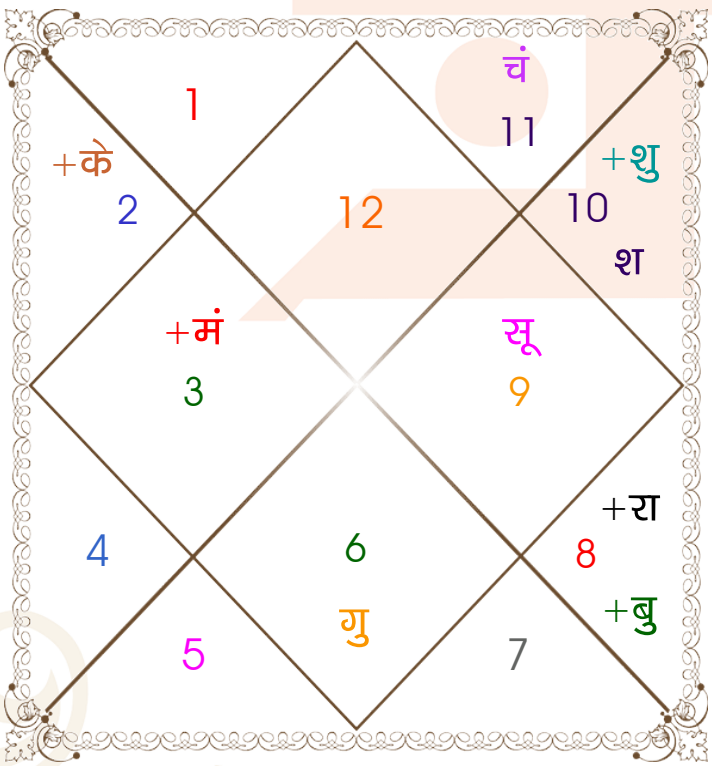

चन्द्र कुंडली

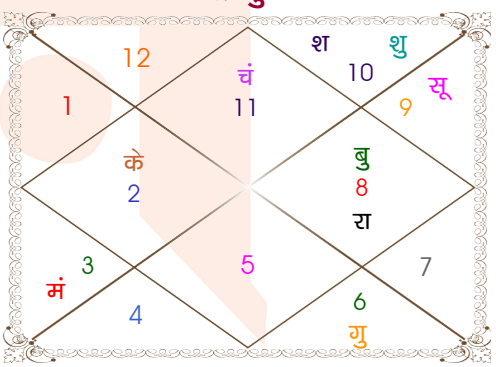

नवमांश कुंडली

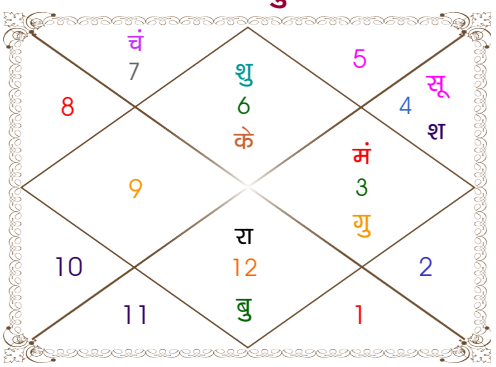

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 3 वर्ष 2 मास 18 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
28/12/1992		17/03/1996		17/03/2014		17/03/2030		17/03/2049	
17/03/1996		17/03/2014		17/03/2030		17/03/2049		17/03/2066	
	00/00/0000	राहु	28/11/1998	गुरु	04/05/2016	शनि	20/03/2033	बुध	14/08/2051
	00/00/0000	गुरु	22/04/2001	शनि	16/11/2018	बुध	28/11/2035	केतु	10/08/2052
	00/00/0000	शनि	27/02/2004	बुध	21/02/2021	केतु	06/01/2037	शुक्र	11/06/2055
	28/12/1992	बुध	16/09/2006	केतु	27/01/2022	शुक्र	08/03/2040	सूर्य	16/04/2056
बुध	13/09/1993	केतु	04/10/2007	शुक्र	27/09/2024	सूर्य	18/02/2041	चंद्र	16/09/2057
केतु	09/02/1994	शुक्र	04/10/2010	सूर्य	17/07/2025	चंद्र	19/09/2042	मंगल	13/09/2058
शुक्र	11/04/1995	सूर्य	29/08/2011	चंद्र	16/11/2026	मंगल	29/10/2043	राहु	01/04/2061
सूर्य	17/08/1995	चंद्र	27/02/2013	मंगल	23/10/2027	राहु	04/09/2046	गुरु	08/07/2063
चंद्र	17/03/1996	मंगल	17/03/2014	राहु	17/03/2030	गुरु	17/03/2049	शनि	17/03/2066

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
17/03/2066		17/03/2073		17/03/2093		17/03/2099		18/03/2109	
17/03/2073		17/03/2093		17/03/2099		18/03/2109		00/00/0000	
केतु	13/08/2066	शुक्र	16/07/2076	सूर्य	05/07/2093	चंद्र	16/01/2100	मंगल	14/08/2109
शुक्र	13/10/2067	सूर्य	17/07/2077	चंद्र	03/01/2094	मंगल	17/08/2100	राहु	02/09/2110
सूर्य	18/02/2068	चंद्र	17/03/2079	मंगल	11/05/2094	राहु	16/02/2102	गुरु	08/08/2111
चंद्र	18/09/2068	मंगल	17/05/2080	राहु	05/04/2095	गुरु	18/06/2103	शनि	16/09/2112
मंगल	14/02/2069	राहु	17/05/2083	गुरु	22/01/2096	शनि	16/01/2105	बुध	29/12/2112
राहु	05/03/2070	गुरु	15/01/2086	शनि	03/01/2097	बुध	17/06/2106		00/00/0000
गुरु	09/02/2071	शनि	17/03/2089	बुध	09/11/2097	केतु	17/01/2107		00/00/0000
शनि	20/03/2072	बुध	16/01/2092	केतु	17/03/2098	शुक्र	16/09/2108		00/00/0000
बुध	17/03/2073	केतु	17/03/2093	शुक्र	17/03/2099	सूर्य	18/03/2109		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 3 वर्ष 2 मा 21 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के द्वितीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कन्या का नवमांश एवं मीन का द्रेष्काण भी उदित था। इस संबंधित लग्नादिक ज्योतिषीय आकृति आपके जीवन को धन संपत्ति से युक्त आमोद-प्रमोद एवं हर्षोल्लास से परिपूर्ण आनंदमय जीवन बिताने के साधनों से युक्त करता है।

प्रायः हर दशा में ज्योतिषीय प्रभाव आपका पक्षधर है। यदि आप अपने हस्तगत कार्य व्यवसाय को समय पर सुव्यवस्थित ढंग एवं समर्पण की भावना से संपादित कर ली तो आपका जीवन सफल होने की संभावना है, बर्शेते कि आप सकारात्मक ढंग से कार्यो का संपादन करें। फलस्वरूप यह आपके लिए उन्नति कारक होगा। इस दृष्टिकोण से यह आवश्यक है कि आप वासनात्मक प्रवृति को बहुत महत्त्व देकर इन कार्यो से संबंधित रहते है। यदि आप इस प्रवृति हेतु सतर्कता नहीं बरतें तो यह वासना आपको मिट्टी पलीत कर देगी। अर्थात् आपका विनाश कर देगी। आप इनका उन्मूलन करें अन्यथा इस उत्तेजना के कारण आपके जीवन की ललिमा नष्ट हो जाएगी तथा इस प्रवृति के कारण मात्र आपका परिवार ही अस्त-व्यस्त नहीं हो जाएगा। बल्कि यह आपको अकर्मण्य बना कर आपकें कार्य कलाप से भी दिशा हीन बना देगा। परंतु यदि आप इस प्रवृत्ति को समाप्त कर दी तो आप बहुत अच्छी प्रकार उन्नति कर सकेंगी। आप धन संचय कर सकेंगे। इस प्रकार आप मात्र अपने उपार्जन को ही नहीं बढ़ाएंगी, बल्कि आप धन संपत्ति भी सर्वथा अर्जित करेंगी। आपमें ऐसी क्षमता है कि आप अपने प्रतिपक्षी को परास्त कर देंगी जो कि आपके कार्य-व्यवसाय को नष्ट करने का प्रयास करेगा।

आप मात्र एक सुखद एवं अभिमंत्रित भवन की स्वामीनी होंगी। बल्कि हर दशा में अपने मित्रों के अपना कर अपनी मित्र मंडली का विस्तार करेंगी। आप समाजिक क्लब की सदस्य होंगी। आप अपनी भद्रता एवं अतिथ्य सत्कार के कारण अपने मित्र मंडली में प्रख्यात भी होंगी। परंतु आपको कुछ समस्याओं से मुठ-भेड़ भी करनी पड़ेगी। आप अन्य लोगों के लिए किसी प्रकार का कष्ट नहीं पहुंचाने वाली बल्कि अतिशय विश्वास पात्र हैं। आप किसी के भी साथ सामंजस्य एवं सकारात्मक फल प्राप्ति की उत्कंठा रखती हैं। जब आप किसी भी मित्र के साथ प्रतिज्ञा करती हैं उसे बहुत अच्छी प्रकार निभाती हैं। परंतु क्या वे इस प्रकार पीछें भी लौट सकती है। नहीं। वास्तव में संयोगवश ऐसा कुछ घटित हो जाए उस परिस्थिति में जो आपसे संबंधित है। वे लोग आपकी आवश्यकता के समय अथवा जरूरत पड़ने पर अपने कार्य को त्याग कर आपके पक्ष में अपना योगदान करती हैं। अतएव आप उन पर अत्यंत भरोसा कर के अन्यों को उपेक्षित अथवा वहिष्कृत कर देती हैं।

यदि आप सतर्कता पूर्वक मर्यादित पथ पर चलती हैं तो आपके पारिवारिक सदस्य तथा सामान्य जन आपके गुणों एवं साहसिक प्रवृति तथा दानशीलता हेतु आपकी प्रशंसा करेंगे। आप धार्मिक प्रवृति की प्राणी हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगी एवं पौढ़ावस्था में आप भक्ति के प्रदर्शन में अभिरूचि रखेंगी तथा धर्म-दर्शन एवं पराविज्ञान में दक्ष हो जाएंगी। आप इस विषय में बहुत अधिक ज्ञानार्जन कर सकती हैं। यदि आप चयन करेंगी तो कोई छोटा धर्मोपदेशक भी बन सकती हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन गुरुवार, मंगलवार एवं रविवार का दिन उत्तम हैं। शेष साप्ताहिक तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन सामान्य फलदायी है।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं विश्वसनीय अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु हर दशा में 8 अंक अनुकूल नहीं है।

आपके लिए रंगों में रंग पीला, लाल, गुलाबी एवं नारंगी रंग आपके लिए अनुकूल हैं। परंतु नीला रंग आपके लिए किसी भी दशा में अनुकूल नहीं है।